(4) प्रौढ़ शिक्षा और सतत शिक्षा ।

(5) उच्चतर शिक्षा के लिये पहुंच पाठ्यक्रमों का डिजाइन तथा उनकी संरचना तैयार करना, अनुसंधान, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा केन्द्रीय सरकार आदि की भूमिका ।

(6) शिक्षकों के निष्पादन में सुधार से संबंधित शिक्षक-प्रशिक्षण ।

(7) भाषा-नीति ।

(8) परीक्षा सुधार ।

(9) लड़कियों तथा महिलाओं की शिक्षा ।

(10) खेल और शारीरिक शिक्षा ।

(11) शैक्षिक आयोजना और प्रबन्ध ।

(12) तकनीकी शिक्षा की परिवर्तनशील भूमिका ।

(13) शिक्षा के संसाधनों को गतिशील बनाना ।

सम्मेलन ने एक सामान्य कोर पाठ्यचर्या को अपनाने की सिफारिश की जसमें राष्ट्रीय मान्यता के पोषण तथा देश की भावनात्मक एकता को सुदृढ़ करने के लिये अनिवार्य कुछ कोर तत्वों से संबंधित विषय-वस्तु शामिल होगी । सम्मेलन ने, प्रारम्भिक शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करन , शैक्षिक सुविधाओं में सुधार करने और विशेष रूप से जन-जातीय, पर्वतीय और रेगिस्तानी क्षेत्रों में गैर-अध्ययनशील विषयों को शामिल करने की पद्धति का विस्तार करने, निरक्षरता का उन्मूलन, औपचारिक शिक्षा पद्धति में वर्तमान संस्थाओं का विस्तार से समीकरण करने के लिये बल देने की ओर स्थानान्तरित करना—यह विस्तार वंचित क्षेत्रों और वर्गों की आवश्यकताओं को पूरा करने तक ही सीमित है, शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा शिक्षण विधियों, आन्तरिक मूल्यांकन पद्धति , माध्यम और शैक्षिक प्रौद्योगिकी में सुधार करना, प्रत्येक जिले में माडल स्कूलों की स्थापना करना तथा व्यावसायिक शिक्षा पर भी चर्चा की ।

नई शिक्षा नीति तैयार करने की प्रक्रिया पर भी चर्चा की गयी । आशा है कि नीति संबंधी अन्तिम प्रारूप बाद में अप्रैल, 1986 में संसद में प्रस्तुत किया जायेगा ।

Linking Madurai and Trivandrum through National Highway

265. SHRI M.M. JACOB: Will the Minister of TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether Government have received any representation from the Government of Kerala for the construction of a National Highway connecting Madurai (Tamil Nadu) and Trivandrum via Moovattupuzha in Kerala;

(b) if so, by when this highway is likely to be constructed;

(c) if the answer to part (a) above be in negative, whether Government propose to link Madurai to Trivandrum and if so in what manner; and

(d) what steps are being taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF SURFACE TRANSPORT (SHRI RAJESH PILOT) : (a) to (d) Since the beginning of the 6th Five Year Plan, the Kerala Government have been forwarding proposals for declaring certain State Roads as National Highways which *Inter-alia* included the Madurai-Muvattupuzha-Kottayam-Trivandrum Road. But owing to financial stringency, it has not been possible to accede to this request. However, loan assistance to the tune of Rs. 175 lakhs was provided in the 6th Plan for undertaking essential improvement works to the road in question. In the Seventh Five Year Plan also, there is no scope for inclusion of this road in the National Highways system or to render further assistance under the Central Sector Road Programme on account of inadequate allocations earmarked for the purpose.